डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (मध्यप्रदेश)

(केंद्रीय विश्वविद्यालय)

ख़बरों में विश्वविद्यालय
अप्रैल 2023

एक नजर में

विवि के पूर्व शिक्षक बने बिहार विवि के कुलपति

प्रो. संजय कुमार श्रीवास्तव।

सागर। डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के पूर्व शिक्षक और वर्तमान में बीएचयू में राजनीति विज्ञान, लोक प्रशासन विभाग के प्रो. संजय कुमार श्रीवास्तव को मोतिहारी केंद्रीय विश्वविद्यालय बिहार में कुलपति नियुक्त किया गया है। उन्होंने सोमवार को कुलपति के रूप में पद भार ग्रहण कर लिया है। उनकी नियुक्ति पर उनके शुभचिंतकों और मित्रों ने उन्हें बधाई दी। गौर यूथ फोरम के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. विवेक तिवारी ने पदभार करने के बाद उनसे चर्चा कर विभाग और सागर विश्वविद्यालय परिवार की ओर से शुभकामनाएं दी। डा. तिवारी ने बताया कि प्रो. संजय श्रीवास्तव बहुत ही सरल, मृदुभाषी, सहज व्यक्तव के धनी हैं और अपने विषय के विशेषज्ञ और अद्वितीय प्रतिभा के धनी हैं। बीएचयू जाने के पूर्व वर्ष 1998 से सागर में शिक्षक क्र रुप में अपनी शानदार सेवाएं दे चुके हैं। (नप्र)

कार्यक्रम के दौरान डा. संजय शर्मा को सम्मानित किया गया। ● नवदुनिया

डा. शर्मा को मिला शिक्षा विभूषण सम्मान

सागर(नवदुनिया प्रतिनिधि)। वैश्विक परिदृश्य में शिक्षा, साहित्य, संस्कृति और समाज की भूमिका पर त्रिभुवन विश्वविद्यालय काठमांडू में आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में डाक्टर संजय शर्मा को उनके शिक्षा नीति और शिक्षा के माध्यम से सामाजिक उन्नयन संबंधी लेखन संबंधी योगदान के संदर्भ में उन्हें शिक्षा विभूषण संम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें केंद्रीय हिंदी संस्थान की निदेशक एवं सेमिनार की संयोजिका प्रो. संजीता वर्मा ने प्रदान किया।

सेमिनार का उद्घाटन त्रिभुवन विश्वविद्यालय के रेक्टर प्रो. शिवलाल भुसान एवं समाज विज्ञान की अधिष्ठाता प्रो.कुसुम शाक्य ने किया।

अच्छी पहल • विश्वविद्यालय में साथी हेल्प डेस्क के नाम से शुरू की सुविधा, 7 मोबाइल नंबर, ई-मेल आईडी की जारी

फार्म भरवाने से लेकर पता बताने तक में मदद करेंगे सीनियर

भास्कर संवाददाता|सागर

सीनियर-जूनियर विद्यार्थियों में विवाद और सीनियर द्वारा जूनियर छात्रों की रैगिंग की खबरें तो अक्सर आती रहती हैं। इस बार डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने नई पहल की है। इसके तहत सीनियर विद्यार्थी अपने सहपाठियों के साथ ही जूनियर विद्यार्थियों की मदद करेंगे। इसके लिए उन्होंने साथी हेल्प डेस्क के नाम से नई सेवा शुरू की है। इसके तहत विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए प्रयास कर रहे विद्यार्थियों से लेकर विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों तक की मदद करेंगे। इसके लिए उन्होंने 7 मोबाइल नंबर और एक मेल आईडी जारी की है। इसके साथ ही सोशल मीडिया पर भी साथी हेल्प डेस्क के माध्यम से विद्यार्थी मदद ले सकेंगे। साथी हेल्प डेस्क के संचालक एमटेक के छात्र शुभांक चाचोंदिया ने बताया कि विवि में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए अब किसी भी प्रकार की समस्या से अकेले नहीं जूझना पड़ेगा। विवि के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों और शिक्षकों के सहयोग से विद्यार्थियों के लिए यह त्वरित सहायता केंद्र शुरू किया गया है। जिसमें वर्तमान में अध्ययनरत विश्वविद्यालय के सभी विद्यार्थी, कन्या छात्रावास, युवक छात्रावास में रहने वाले सभी विद्यार्थी एवं अन्य विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय से संबंधित कोई समस्या आती है तो विद्यार्थी 24 घंटे 7 दिन में कभी भी हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। जिस पर तुरंत संज्ञान में लेते हुए उस समस्या से संबंधित शिक्षक, डीन एवं उच्च अधिकारियों को सूचित कर उनसे मार्गदर्शन और परामर्श लेकर समस्या का समाधान कराया जाएगा।

सीयूईटी के लिए सागर में नहीं बना सेंटर तो आया हेल्प डेस्क का विचार

शुभांक चाचोंदिया के मुताबिक हम लोग पहले से अपने स्तर पर ही ग्रुप बनाकर विद्यार्थियों के मुद्दों को उठाते और शिक्षकों व प्रशासनिक अधिकारियों के सहयोग से उन्हें सुलझाते हैं। हाल ही में जब कॉमन यूनिवर्सिटी इंट्रेंस एग्जाम के लिए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने देश के चुनिंदा शहरों में हेल्प सेंटर बनाए परंतु सागर में नहीं बनाए तो हमने हेल्प डेस्क शुरू करने का निर्णय लिया। क्योंकि सागर विवि में दाखिले के लिए बड़ी संख्या में विद्यार्थी आवेदन करते हैं। सागर जिले से ही 20 हजार से अधिक आवेदन आते हैं। जबकि अभी तक हमारी जानकारी में 1 लाख 7 हजार से अधिक आवेदन आ चुके हैं। विद्यार्थी विवि की एडमिशन सेल से तो संपर्क करते ही हैं, हम अपने स्तर पर उन्हें और भी सहायता देंगे। उदाहरण के लिए बाहर से आने वाले विद्यार्थी जिनका यहां प्रवेश-परीक्षा का केंद्र रहेगा तो वहां तक कैसे पहुंचें, विवि के जिस विभाग में पेपर होगा, वहां पहुंचाने में भी हम उनकी मदद करेंगे। इसके बाद काउंसिलिंग सहित अन्य प्रक्रिया में उनकी मदद की जाएगी। इसी उद्देश्य को लेकर यह हेल्प डेस्क शुरू की गई है। इसमें पुष्पराज पटेल, अनुज बोहरे, यश चौबे, अनिकेत ठाकुर, हिमांशु गौतम, हर्षित तिवारी आदि सहयोग करेंगे।

हेल्पलाइन के लिए ये नंबर, मेल-आईडी की है जारी

9691591255, 8319005125, 7000916825, 7415039245, 9691591255, 9584666414, 8269287419 एवं DHSGSUSAATHIHELPDESK@GMAIL.COM

गंभीर बीमारी से ग्रसित बच्चों को विश्वविद्यालय गोद लेगा: कुलपति

आचरण संवाददाता

सागर/ डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर मध्यप्रदेश द्वारा गोद लिए गये गाँवों में शिक्षा, स्वास्थ्य एवं रोजगार आदि के कार्ययोजनाओं को साकार रूप देने के लिए एक बैठक का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई बैठक में गाँवों के सरपंच एवं सरपंच प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। बैठक के प्रारंभ में उनन्त भारत अभियान के नोडल अधिकारी प्रो दिवाकर सिंह राजपूत कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए सभी का स्वागत किया। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा गाँवों में जागरूकता कार्यक्रम एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। गंभीर बीमारी से ग्रसित बच्चों को विश्वविद्यालय गोद लेगा और उनको स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराने में सहभागी बनेगा। प्रो नीलिमा गुप्ता ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार से संबंधित गतिविधियों में सहयोगी भूमिका के साथ कौशल उन्नयन, कौशल मेला,

विश्वविद्यालय भ्रमण जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से गाँवों के स्कूलों के विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय से जोड़ने की पहल से सार्थक परिणाम मिलेंगे। पथरिया जाट सरपंच प्रमोद यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा यह एक अच्छी पहल है और साथ मिल कर काम करने से गाँव के विकास को नयी दिशा मिलेगी। सचिव आशीष रजक ने कुछ नये प्रोजेक्ट की ओर ध्यान आकर्षित कराया। सिरोंजा सरपंच श्रीमती दुर्गा राजपूत के प्रतिनिधि अशोक राजपूत ने सुझाव दिया कि विश्वविद्यालय द्वारा जागरूकता शिविरों से गाँव में रोजगार के प्रति लोगों को लाभ के अवसर बढ़ेंगे। पटकुई सरपंच रिचा गुरु के प्रतिनिधि विशाल गुरु ने कहा कि ग्राम पंचायत हर पहल में सहयोग के लिए तत्पर है, मिलकर काम करेंगे और गाँव के विकास के लिए शिक्षा को महत्वपूर्ण भूमिका से सिखायेंगे। शिक्षा विभाग अध्यक्ष डॉ रश्मि जैन ने कहा शिक्षा विभाग द्वारा गाँवों में विशेष शिविरों का आयोजन किया जाएगा और बच्चों को निःशुल्क पढ़ाई में सहायता की जायेगी। कार्यक्रम का संचालन करते हुए नोडल अधिकारी प्रो दिवाकर सिंह राजपूत ने कहा कि एक भारत श्रेष्ठ भारत और उन्नत भारत के लिए शैक्षणिक संस्थानों के साथ स्थानीय सुशासन के समन्वित प्रयास निश्चित रूप से मील का पत्थर सिद्ध होंगे।

प्रो राजपूत ने कहा कि गाँव के विकास के साथ ही हम डॉ गौर की भावनाओं के अनुरूप आदर्श समाज बनाने की दिशा में काम करेंगे। कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने ग्राम सरपंचों को डॉ गौर की जीवनी भेंट की। डॉ गौर पीठ के समन्वयक प्रो दिवाकर सिंह राजपूत ने आभार व्यक्त किया।

समाज परिवर्तन के लिए शिक्षा एक साधनः अपर कलेक्टर

महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित

जागरण न्यूज, सागर

समाज परिवर्तन के लिए शिक्षा अति आवश्यक है। यह विचार अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी ने उत्कृष्ट विद्यालय में समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की 196वीं जयंती के अवसर पर व्यक्त किए। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि अनुविभागीय अधिकारी विजय डहरिया, जिला शिक्षा अधिकारी अखिलेश पाठक, सहायक संचालक अरविंद जैन, उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य सुधीर तिवारी सहित अन्य शिक्षक शिक्षिकाएं छात्र-छात्राएं एवं अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद थे। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ.हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के प्राध्यापक डॉ.संजय शर्मा ने अपने व्याख्यान में बताया कि ज्योतिबा फुले 19वीं सदी के उन प्रमुख समाज सुधारकों में शामिल है जिन्होंने विश्व स्तर पर सम्पूर्ण मानवता को अपने समाज सुधार आन्दोलन से एक नई दिशा दी। महात्मा फुले ने जातीय विषमता और स्त्री उपेक्षा को एक साथ मुद्दा बनाते हुए उनकी शिक्षा के लिए लगातार संघर्ष किया। उनका मानना था कि वंचित समुदाय और महिलाओं की स्थिति तब ही बदल सकती है, जब वे स्वयं शिक्षा के माध्यम से परिवर्तन के लिए तैयार हो। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए श्रीमती सपना त्रिपाठी ने महात्मा फुले के शिक्षा सबंधी योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि फुले दम्पति ने बालिकाओं, वंचित वर्ग आदि की शिक्षा के लिए सदैव प्रयास किया। जिला शिक्षा अधिकारी अखिलेश पाठक ने कार्यक्रम का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया। आभार शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य सुधीर तिवारी ने माना। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी एवं अभिभावक ने सहभागिता की।

भास्कर एक्सक्लूसिव • केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्नातक के 12 पाठ्यक्रमों की 2153 सीट पर प्रवेश के लिए 107755 आवेदन आए

गौर यूनिवर्सिटी में बीफार्मा की 1 सीट के 255 दावेदार, क्योंकि यहां 90% प्लेसमेंट

सबसे कम क्रेज बीए का, एक सीट के लिए केवल 14 आवेदन आए

संदीप तिवारी | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के सत्र 2023-24 में दाखिले के लिए ऑनलाइन फॉर्म भरे जा रहे हैं। स्नातक में दाखिले के लिए ऑनलाइन फॉर्म भरने का मंगलवार को अंतिम दिन रहा।

स्नातक के कुल 12 पाठ्यक्रमों की 2153 सीटों के लिए 107744 विद्यार्थी आवेदन कर चुके थे। बीफार्मा की कुल 75 सीटों के लिए 19179 विद्यार्थियों ने फॉर्म भरे हैं। यानी एक सीट के लिए 255 विद्यार्थी दावेदार हैं। इसके बाद बीएससी को लेकर सबसे ज्यादा डिमांड सामने आई है। बीएससी बायो और मैथ्स समूह की कुल 609 सीटों के लिए 18837 विद्यार्थियों ने फॉर्म जमा किए हैं। यानी यहां एक सीट के लिए औसतन 31 विद्यार्थी दावेदार हैं। जबकि इंटीग्रेटेड बीएड कोर्स के लिए 18849 विद्यार्थियों ने फॉर्म भरे हैं। इंटीग्रेटेड बीएड में अलग-अलग विषय समूह में कुल 125 सीट हैं। ऐसे में यहां औसतन एक सीट के लिए 150 विद्यार्थी दावेदार हैं। बीए एलएलबी ऑनर्स की 53 सीटों के लिए 11999 विद्यार्थियों ने फॉर्म भरे हैं। इस हिसाब से एलएलबी ऑनर्स की एक सीट के लिए 226 विद्यार्थी दावेदार हैं। बीए की 803 सीटों के लिए 11022 आवेदन आए हैं। यहां प्रति सीट पर प्रवेश के लिए औसतन 14 विद्यार्थी दावेदार हैं। यानी प्रवेश के लिए सबसे कम जद्दोजहद जहां बीए में है। वहीं सबसे ज्यादा डिमांड और दावेदारी बीफार्मा को लेकर है।

हालांकि प्रवेश परीक्षा में जितने विद्यार्थी शामिल होंगे और उसके रिजल्ट के बाद दावेदारों की संख्या में बदलाव भी आएगा। सागर विवि की एडमिशन सेल के चेयरमैन प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत ने बताया फाइनल आंकड़ा बुधवार शाम तक जारी होगा। ऐसे में यह संख्या और भी बढ़ने की उम्मीद है।

बीएससी बायो और मैथ्स में प्रवेश के लिए भी लंबी कतार, एक सीट पर 31 आवेदन

पाठ्यक्रम	सीट	आवेदन
बीकॉम	325	10988
बीए	806	11022
बीए-बीएड	63	5701
बीएफए	25	2281
बीबीए	60	9403
बीएससी बायो	321	10439
बीएससी-बीएड बायो	31	8178
बीएससी मैथ्स ग्रुप	288	8398
बीसीए	75	7116
बीएससी-बीएड मैथ्स	31	4970
बीफार्मा	75	19179
बीए एलएलबी ऑनर्स	53	11999
कुल	2153	107744

बड़ी वजह... कम्युनिटी फार्मेसी से फार्मासिस्ट की मांग बढ़ी

1. फार्मा कंपनी से लेकर फार्मा रेग्युलेटर, फार्मास्यूटिकल शैक्षणिक संस्थान में रोजगार के अवसर हैं।
2. फार्मेसी में प्लेसमेंट 90% से अधिक है। इसके कारण विद्यार्थी इस फील्ड को चुन रहे हैं।
3. अब कम्युनिटी फार्मेसी शुरू होने जा रही है। विश्वभर में फार्मासिस्ट की मांग बढ़ी है।
4. अब मेडिकल स्टोर्स खोलने के लिए भी डिग्री अनिवार्य कर दी गई है। इस कारण भी इस दिशा में विद्यार्थी बढ़ रहे हैं।
5. शासन भी अब मेडिकल क्षेत्र पर जोर देकर काम कर रही है। ऐसे में विद्यार्थी बेहतर भविष्य की तलाश में फार्मेसी चुन रहे हैं।

(प्रो. एसपी व्यास, पूर्व कुलपति एवं विभागाध्यक्ष के मुताबिक)

विवि में 69 साल चल रहा बीफार्मा

विवि में बीफार्मा की शुरुआत 1954 में हुई थी। फार्मेसी में डिग्री कोर्स बीएचयू के बाद सागर में पहली बार हुआ था, जबकि एमफार्मा की शुरुआत सागर विवि से ही देश में हुई। यह सागर मॉडल कहलाता है। फादर ऑफ फॉर्मेसी प्रो. एमएल सराफ ने विवि में फार्मेसी स्थापना के समय बेहद काम किया। यहां के श्रेष्ठ शिक्षकों में प्रो. एसएन शर्मा, प्रो. केके मिड्हा, प्रो. सीके कोकाटे, प्रो. केसी वर्मा, प्रो. आरके उपाध्याय शामिल हैं। जबकि श्रेष्ठ विद्यार्थी प्रो. एसपी व्यास, प्रो. शैलेंद्र सराफ, प्रो. सुभिनी सराफ, प्रो. संयोग जैन, प्रो. अभय चौहान आदि हैं, जो अब अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया आदि में बेहतर वैज्ञानिक हैं। इनकी वजह से ही विवि के बीफार्मा की डिमांड ज्यादा है।

'नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क के लिए विश्वविद्यालयीन इकाई आएं आगे'

भास्कर संवाददाता|सागर

संसद टीवी के कार्यक्रम इन फोकस में डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क पर अपने विचार रखे। यूजीसी ने हाल ही में राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क जारी किया है, जो विद्यार्थियों को ऑनलाइन, डिजिटल और मिश्रित शिक्षा सहित सभी स्तरों पर शिक्षा और सीखने के लिए क्रेडिट अर्जित करने की अनुमति देगा। इस कार्यक्रम में यूजीसी के चेयरमेन प्रो. एम जगदीश कुमार, इग्नू के प्रो. सीबी शर्मा एवं फरीदाबाद के प्राचार्य अनिल कुमार भी शामिल हुए। कुलपति प्रो. गुप्ता ने कहा नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क के माध्यम से स्कूल शिक्षा एवं उच्च शिक्षा संयुक्त रूप से समग्र एवं सर्वांगीण शिक्षा पर काम करेंगे और विद्यार्थियों को बहु-अनुशासनात्मक शिक्षा अर्जित करने का अवसर मिलेगा। विश्वविद्यालय स्तर पर सामान्य कोर्स के चयन के साथ विभिन्न विषयों के चयन की सुविधा वेबसाइट के माध्यम से उपलब्ध करवाई जा रही है जिसके द्वारा विद्यार्थी अपने मुख्य कोर्स के क्रेडिट के साथ अन्य विषयों को चयन कर उसके क्रेडिट अर्जित कर सकते हैं। यह सभी क्रेडिट जुड़ कर डिजीलॉकर में संग्रहित होंगे जो बाद में दूसरे विश्वविद्यालयों के साथ एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट के माध्यम से आदान-प्रदान भी किए जा सकते हैं।

वर्तमान में एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट मे हमारे विश्वविद्यालय के 4000 विद्यार्थी पंजीकृत हैं। अभी भी सभी विद्यार्थी इस बारे में जागरूक नहीं हैं। वे बहु विषयों का चयन कैसे कर सकते हैं, कितने कर सकते हैं आदि सवालों से वे अभी जूझ रहे हैं। इसके लिए विश्वविद्यालयीन इकाइयों को आगे आकर उन्हें सहयोग प्रदान करना चाहिए व उन्हें समझाना चाहिए बेहतर समझ के साथ सभी विद्यार्थी इस परिवर्तन का लाभ सुनिश्चित कर पाएंगे। यूजीसी के चेयरमैन प्रो. एम जगदीश कुमार ने कहा कि नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क सीखने के पारिस्थितिकी तंत्र को आठ स्तरों में विभाजित करता है। कक्षा 5 से पीएचडी स्तर तक सीखने के घंटों के आधार पर क्रेडिट प्रदान करता है। इसमें 18 व्यापक सैद्धांतिक विषय और 64 अनुप्रयुक्त विज्ञान या व्यावसायिक विषय और शिल्प शामिल हैं, जिन पर ऋण संचय के लिए विचार किया जा सकता है। एनसीएफ खेल और खेल, योग, शारीरिक गतिविधियों, प्रदर्शन कला, हस्तशिल्प और बिना बैग के दिनों सहित कक्षा के बाहर की शिक्षा का भी मूल्यांकन करता है। यह बहु-अनुशासनात्मक शिक्षा के लिए मार्ग प्रशस्त करता है और अपने स्वयं के सीखने और कार्यक्रमों को चुनने के लिए पाठ्यक्रमों के चयन में लचीलेपन के माध्यम से छात्रों को सशक्त बनाता है।

समग्र शिक्षा की दिशा में नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क एक क्रांतिकारी कदम : कुलपति

कार्यक्रम के दौरान अपने विचार रखती हुई कुलपति प्रो . नीलिमा गुप्ता। ●नवदुनिया

सागर(नवदुनिया प्रतिनिधि)। संसद टीवी के महत्त्वपूर्ण और पापुलर कार्यक्रम 'इन फोकस' में डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क पर अपने विचार रखें।

विवि अनुदान आयोग (यूजीसी) ने हाल ही में राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क जारी किया है, जो छात्रों को आनलाइन, डिजिटल और मिश्रित शिक्षा सहित सभी स्तरों पर शिक्षा और सीखने के लिए क्रेडिट अर्जित करने की अनुमति देगा।

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क से उच्च शिक्षा में आ रहे परिवर्तन एवं इसे लागू करने में आ रही चुनौतियों के संबंध में कहा कि इसके माध्यम से स्कूल शिक्षा एवं उच्च शिक्षा संयुक्त रूप से समग्र एवं सर्वांगीण शिक्षा पर काम करेंगे और विद्यार्थियों को बहु-अनुशासनात्मक शिक्षा अर्जित करने का अवसर मिलेगा। विवि स्तर पर सामान्य कोर्स के चयन के साथ विभिन्न विषयों के चयन की सुविधा वेबसाइट के माध्यम से उपलब्ध कारवाई जा रही है, जिसके द्वारा विद्यार्थी अपने मुख्य कोर्स के क्रेडिट के साथ अन्य विषयों को चयन कर उसके क्रेडिट अर्जित कर सकते हैं।

यह सभी क्रेडिट जुड़ कर डिजीलाकर में संग्रहित होंगे जो बाद में दूसरे विवि के साथ एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट के माध्यम से आदान-प्रदान भी किए जा सकते हैं। वर्तमान में एकेडमिक बैंक आफ क्रेडिट मे हमारे विवि के चार हजार विद्यार्थी पंजीकृत हैं और अभी भी सभी विद्यार्थी इस बारे में जागरूक नहीं हैं।

पारिस्थितिकी तंत्र को आठ स्तरों में विभाजित करता है : विवि अनुदान आयोग के अध्यक्ष प्रो. एम जगदीश कुमार ने नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क की जरूरत और महत्वता को बताते हुए कहा कि एनसीआरएफ सीखने के पारिस्थितिकी तंत्र को आठ स्तरों में विभाजित करता है। कक्षा 5 से पीएचडी स्तर तक सीखने के घंटों के आधार पर क्रेडिट प्रदान करता है।

इसमें 18 व्यापक सैद्धांतिक विषय और 64 अनुप्रयुक्त विज्ञान या व्यावसायिक विषय और शिल्प शामिल हैं, जिन पर ऋण संचय के लिए विचार किया जा सकता है। एनसीआरएफ खेल और खेल, योग, शारीरिक गतिविधियों, प्रदर्शन कला, हस्तशिल्प और बिना बैग के दिनों सहित कक्षा के बाहर की शिक्षा का भी मूल्यांकन करता है। यह बहु-अनुशासनात्मक शिक्षा के लिए मार्ग प्रशस्त करता है और अपने स्वयं के सीखने के प्रक्षेपवक्र और कार्यक्रमों को चुनने के लिए पाठ्यक्रमों के चयन में लचीलेपन के माध्यम से छात्रों को सशक्त बनाता है।

नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क (एनसीआरएफ) को यूजीसी, एआइसीटीई, एनसीवीईटी, एनआईओएस, सीबीएसई, एनसीईआरटी, डीजीटी, शिक्षा मंत्रालय और कौशल विकास मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया है ताकि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विजन और मंशा को हासिल किया जा सके।

कार्यक्रम में डा. सीबी शर्मा, प्रो. आफ एजुकेशन, इग्नू एवं अनिल कुमार, प्राचार्य डीपीएस फरीदाबाद भी शामिल थे।

विद्यार्थियों ने किया बाबा साहेब के प्रति कृतज्ञता आयोजन

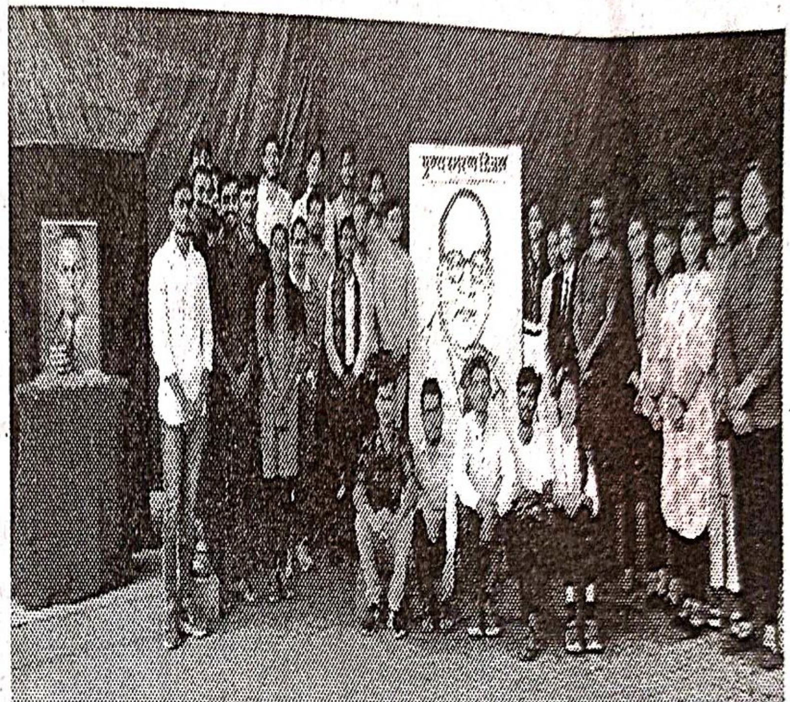

आचरण संवाददाता

सागर। डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में डॉ आंबेडकर जयंती पर सांस्कृतिक परिषद के तत्वावधान में विद्यार्थियों के लिये डॉ अम्बेडकर के जीवन और योगदान पर केंद्रित संभाषण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आरम्भ में डॉ भीमराव अंबेडकर के चरित्र पर अतिथियों द्वारा माल्यार्पण किया गया। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के छात्र-छात्राओं ने डॉ भीमराव अंबेडकर के जीवन संघर्षों को याद करते हुए उनके सामाजिक योगदान को रेखांकित किया। छात्र-छात्राओं ने अत्यंत ऊर्जावान एवं तार्किक ढंग से बाबा साहेब द्वारा शिक्षा के लिए किए गए संघर्षों, अस्पृश्यता, जाति गत भेदभाव, महिलाओं के लिए अधिकारों, संविधान निर्माण में उनके योगदान, आर्थिक क्षेत्र, श्रमिकों कानूनों में सुधार में उनके महत्तवपूर्ण योगदान एवं समतामूलक समाज की स्थापना में उनके वृहत्तर योगदान को विस्तार से याद किया। विद्यार्थियों का यह प्रयास बाबा साहेब के प्रति एक कृतज्ञता आयोजन था। प्रतिभागी छात्र छात्राओं में अलीशा खान, प्रांजल नेमा, वीरेंद्र अहिरवार, दिया सलूजा, हिमांशी सिंह, अवनीश यादव, चंचल राज, अदिति नाहर सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का संचालन खुशी सलूजा ने किया। कार्यक्रम में चीफ वार्डन प्रो राजेश गौतम, डॉ आशुतोष, डॉ विवेक जायसवाल, डॉ अरविंद गौतम तथा सांस्कृतिक परिषद के समन्वयक डॉ राकेश सोनी उपस्थित रहे।

डॉ. अंबेडकर के व्यक्तित्व का विस्तृत चित्रण किया

जागरण न्यूज, सागर

डॉ. भीमराव अंबेडकर की 132 वीं जयंती का आयोजन, डॉ. अम्बेडकर चेयर, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार के तत्वाधान में किया गया। जिसकी अध्यक्षता कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा की गई। गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुये कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने डॉ. अम्बेडकर के बहुआयामी व्यक्तित्व एवं उनके योगदानों को विस्तृत व्याख्या प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि डॉ. अम्बेडकर का अर्थशास्त्र, नये भारत का निर्माण तथा वंचित समाज के लिए किया गया, उनका प्रयास असमरणीय रहेगा। इसके साथ ही कुलपति ने विश्वविद्यालय में चल रही डॉ. अम्बेडकर चेयर तथा डेस की भी चर्चा की और बताया कि इसे पूर्णतः संघटित कर ली गयी है एवं भविष्य में इनके द्वारा डॉ. अम्बेडकर के विचारों को प्रसारित करने में और भी तीव्रता लायी जायेगी। मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. श्वेता प्रसाद, (बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय) ने डॉ. अंबेडकर के व्यक्तित्व जिसमें एक सामान्य जन से महामानव बननें की यात्रा का विस्तृत चित्रण किया। साथ ही उनके योगदानों, भारतीय संविधान, समाज और राष्ट्र निर्माण का विस्तृत चित्रण किया। गोष्ठी के पूर्व कुलपति द्वारा अंबेडकर चेयर का कार्यालय का भी उद्घाटन किया गया। गोष्ठी में मंच संचालन डा. कालीनाथ झा (कार्यक्रम संयोजक) द्वारा किया गया एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. उषा राणा द्वारा की गई। इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. अशोक अहिरवार, प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत, प्रो. उत्सव आनंद, डॉ. पंकज तिवारी, डॉ. शिवशंकर जेना आदि सभी अधिकारी, मीडिया पर्सन, शोधार्थी व विद्यार्थी उपस्थित थे।

विश्वविद्यालय में अंबेडकर चेयर कार्यालय का उद्‌घाटन हुआ

नवभारत न्यूज

सागर 13 अप्रैल. डॉ. भीमराव अंबेडकर की 132 वीं जयंती का आयोजन, डॉ. अम्बेडकर चेयर, डॉ. हरीसिंह गौर विवि तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार के तत्वाधान में किया गया.

इगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुये कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने डॉ. अम्बेडकर के बहुआयामी व्यक्तित्व एवं उनके योगदानों को विस्तृत व्याख्या प्रस्तुत किया. मुख्य अतिथि प्रो. श्वेता प्रसाद, ने डॉ. अंबेडकर के व्यक्तित्व जिसमें एक सामान्य जन से महामानव बननें की यात्रा का विस्तृत चित्रण किया. साथ ही उनके योगदानों, भारतीय संविधान, समाज और राष्ट्र निर्माण का विस्तृत चित्रण किया. गोष्ठी के पूर्व कुलपति द्वारा अंबेडकर चेयर का कार्यालय का भी उद्घाटन किया गया. संचालन डा. कालीनाथ झा और आभार डॉ. उषा राणा ने माना.

आयोजन । छात्र परिषद् के सदस्य विश्वविद्यालय के नियमों का स्वयं पालन करें

विश्वविद्यालय के प्रति प्रेम की भावना विकसित करें विद्यार्थी: कुलपति गुप्ता

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के स्वर्ण जयंती सभागार में विश्वविद्यालय के छात्र-कल्याण एवं सांस्कृतिक परिषद् के तत्वावधान में कक्षा प्रतिनिधि एवं अध्ययन शाला प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय के विकास एवं अकादमिक गतिविधियों में कक्षा प्रतिनिधियों एवं अध्ययन शाला प्रतिनिधियों की बड़ी महती भूमिका होती है। छात्र परिषद् के चुने हुए विद्यार्थी एक सेतु की भूमिका निभाते हैं। जिनके माध्यम से विद्यार्थियों के बीच और विश्वविद्यालय प्रशासन की विभिन्न इकाईयों के बीच संवाद के माध्यम से न केवल विभिन्न गतिविधियों का संचालन होता है बल्कि समस्याओं का समाधान भी होता है. उन्होंने कहा कि छात्र परिषद् के सदस्य विश्वविद्यालय के नियमों का स्वयं पालन करें और अपने सहपाठियों को भी पालन करने हेतु प्रेरित करें. विश्वविद्यालय की प्रत्येक इकाई में विद्यार्थी प्रतिनिधि होते हैं जिससे विद्यार्थियों की जरूरतों के मुताबिक पाठ्यक्रम, विभिन्न अकादमिक कार्यक्रम एवं अन्य सह-शैक्षणिक गतिविधियों में उनकी भूमिका सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि सभी विद्यार्थी अपने भीतर विश्वविद्यालय के प्रति प्रेम की भावना विकसित करें और संस्था के हित में आगे बढ़कर कार्य करें। उन्होंने गौर उत्सव 2022 के दौरान हुए विभिन्न खेलकूद, शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में प्रतिभागी एवं विजयी छात्र-छात्राओं को प्रमाण-पत्र प्रदान कर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि सभी विद्यार्थी नवोन्मेषी बनें और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें ताकि विश्वविद्यालय का नाम और अधिक ऊँचाई पर पहुंचे. विश्वविद्यालय को नैक में ए-प्लस-प्लस ग्रेड मिले इसके लिए विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता और उनकी भूमिका महत्वपूर्ण है। प्रभारी छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. हेरेल थॉमस ने स्वागत भाषण दिया और छात्र परिषद् में चुने गए विद्यार्थियों को बधाई देते हुए विश्वविद्यालय के विकास में उनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका को इंगित किया. आभार कुलसचिव डॉ. रंजन कुमार प्रधान ने व्यक्त किया. सांस्कृतिक परिषद् के समन्वयक डॉ. राकेश सोनी ने कार्यक्रम का समन्वयन किया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी दी जिसमें एकल नृत्य, समूह नृत्य, कव्वाली सहित कई प्रस्तुतियां हुईं। कार्यक्रम में प्रो. आशीष वर्मा, प्रो. श्री भागवत, प्रो. एच. एस. आदिल, डॉ. रश्मि सिंह, डॉ. हिमांशु कुमार सहित बड़ी संख्या में शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

यूजीसी की गाइडलाइन **उच्च शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों के प्रशिक्षण में बदलाव, इंडक्शन व रिफ्रेशर कोर्सों में यह होगा शामिल**

भारतीय ज्ञान परंपरा में भी पारंगत होंगे विश्वविद्यालय के शिक्षक

नई दिल्ली (ब्यूरो)। छात्रों को ही नहीं विश्वविद्यालय और उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ाने वाले शिक्षकों को भी अब भारतीय जड़ों से जोड़ने की बड़ी पहल की गई है। इसके तहत उनके प्रशिक्षण से जुड़े कोर्स को नए सिरे से तैयार किया गया है, जिसमें अब भारतीय ज्ञान परंपरा को भी शामिल किया है। इस दौरान प्रत्येक शिक्षक को अब उसके विषय के आधार पर प्रशिक्षण के दौरान अलग से सत्र में शामिल होना होगा। जहां उन्हें उस विषय से भारतीय ज्ञान के बारे में बताया और पढ़ाया जाएगा। शिक्षकों को यह प्रशिक्षण इंडक्शन और रिफ्रेशर दोनों कोर्सों के दौरान दिया जाएगा। उन्हें इसके लिए भी प्रेरित किया गया है कि अपना विषय पढ़ाने के दौरान वह छात्रों को भारतीय ज्ञान से जुड़े उदाहरण ही दें।

• विषय शिक्षकों को उससे जुड़े भारतीय ज्ञान से कराया जाएगा परिचित

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने यह पहल तब की है, जब विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए तैयार किए गए नए क्रेडिट फ्रेमवर्क में अंडर ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट के स्तर पर भारतीय ज्ञान परंपरा को भी शामिल किया गया है। यानी छात्रों को प्रत्येक स्तर पर इसे पढ़ाने के लिए कहा है। वैसे भी नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परंपरा को इस आधार पर पढ़ाने की सिफारिश की गई थी कि नई पीढ़ी आधुनिकता की इस दौड़ में भारतीय ज्ञान को भूलती जा रही है। ऐसे में इसे अनिवार्य रूप से पढ़ाया जाना चाहिए ताकि वह अपनी जड़ों से जुड़े रहे और गौरव कर सकें।

फिलहाल यूजीसी ने विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों से जुड़े प्रशिक्षण कोर्स को अलग-अलग विषयों के स्तर पर डिजाइन किया है। इनमें अब तक सात विषयों के माड्यूल तैयार कर लिए हैं।

कामन प्रशिक्षण माड्यूल भी तैयार

साथ ही एक कामन प्रशिक्षण माड्यूल भी तैयार किया है, जिसमें केमेस्ट्री एंड मेटलर्जी, भारतीय विज्ञान और तकनीक, भारतीय अर्थव्यवस्था और व्यापार माडल, प्राचीन भारतीय कला व वास्तुशास्त्र, गणित के क्षेत्र में भारत के योगदान-विशेष रूप से वैदिक काल से आधुनिक काल तक को शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त भारतीय खगोल शास्त्र से जुड़ा प्रशिक्षण माड्यूल भी तैयार किया गया है। खास बात यह है कि इन सभी क्षेत्रों में भारतीय मनीषियों व विद्वानों के साथ ही उनके खोज या दर्शन को प्रमुखता से सामने लाया गया है।

नरसी मोनजी इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट स्टडीज के दूरस्थ कोर्सों पर प्रतिबंध

नई दिल्ली (प्रेट्र)। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने मानदंडों के उल्लंघन के कारण नरसी मोनजी इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट स्टडीज (एनएमआइएमएस) के दूरस्थ शिक्षा और आनलाइन कोर्सों पर प्रतिबंध लगा दिया है। अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि यूजीसी ने छात्रों को संस्थान द्वारा प्रस्तावित किसी भी पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने के प्रति आगाह किया है। यूजीसी के सचिव मनीष जोशी ने कहा, नरसी मोनजी इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट स्टडीज (एनएमआइएमएस), महाराष्ट्र ने यूजीसी के नियमों का पालन नहीं किया है।

केंद्रीय विवि ने गोद लिए गांव सिरोंजा में लगाया नि:शुल्क स्वास्थ्य जागरुकता शिविर

शिक्षित और स्वस्थ्य भारत से बनेगा उन्नत भारत

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

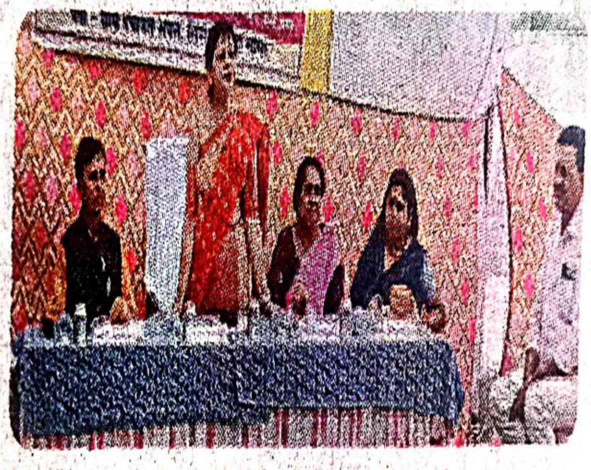

सागर. डॉ. हरि सिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत गोद लिए सिरोंजा में बुधवार को स्वास्थ्य एवं जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय एवं सहयोगी संस्थाओं द्वारा लगाए गए शिविर में ग्रामीणों का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस अवसर पर विवि कुलपति ने ग्रामीणों को संबोधित कर देश को उन्नत बनाने में अपनी भूमिका का निर्वाह करने का आह्वान किया।

शिविर को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने ग्रामीणों को वर्तमान परिस्थितियों में अपने जीवन को बेहतर बनाने के बारे में बताया। उन्होंने कहा उन्नत भारत की संकल्पना स्वस्थ भारत से जुड़ी हुई है। इसलिए सभी को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरुक बनने की भी आवश्यकता है। कोविड जैसी बीमारी हम पर फिर भारी न पड़े इसके लिए बचाव जरूरी है। प्रो. दिवाकर राजपूत ने कहा भारत का विकास गांव के विकास से जुड़ा हुआ है। जितने सशक्त गांव होंगे उतना ही मजबूत देश बनेगा। शिक्षाशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. रश्मि जैन ने उन्नत भारत एवं सामुदायिक कार्यक्रम के तहत गांवों को गोद लेने का उद्देश्य दोहराया। उन्होंने कहा हम गोद लिए गांवों के समग्र विकास एवं शिक्षा के लिए संकल्पित हैं। अतिथियों ने शिविर के दौरान गांव के विद्यालय एवं बस्ती का भ्रमण किया। विद्यालय के शिक्षिकों से बच्चों के स्वास्थ्य एवं शिक्षा को बेहतर बनाने के संबंध में भी चर्चा की। डॉ. अभिषेक जैन ने गर्मी में लू से बचाव और सुरक्षित रहने के तरीके बताए। कार्यक्रम का संचालन बीएड की छात्रा दीक्षा सिंह ने किया, जबकि आभार छात्र श्रीहरि शुक्ला ने माना। शिविर में डॉ. नीलेंद्र राजपूत, डॉ. अपर्णा पाठक, डॉ. प्रियंका उपाध्याय, डॉ. राजकुमार पाठक और उनकी टीम ने जांच कर स्वास्थ्य संबंधी परामर्श दिया।

सामूहिक पुस्तक वाचन के साथ मनाया पुस्तक दिवस

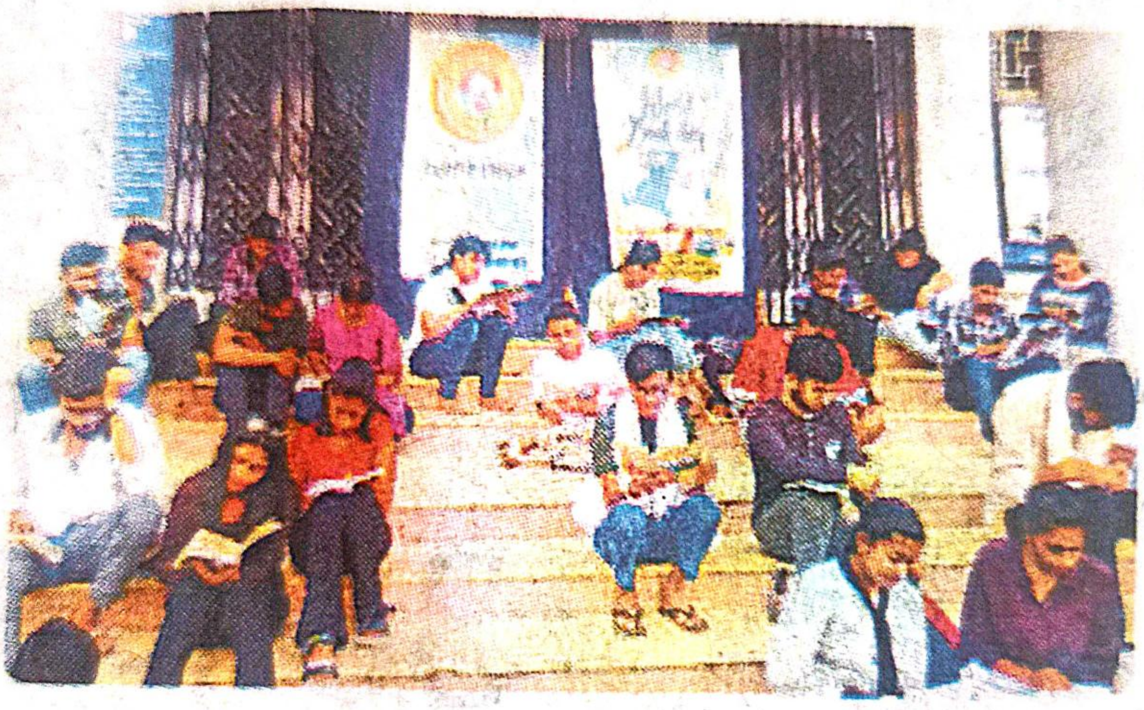

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. विश्व पुस्तक दिवस के अवसर पर डॉ. हरि सिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने जवाहरलाल नेहरू ग्रंथालय के सामने पुस्तकों का सामूहिक वाचन किया। सांस्कृतिक परिषद के समन्वयक डॉ. राकेश सोनी ने इस मौके पर छात्र- छात्राओं को संबोधित कर पुस्तकों के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा पुस्तकें हमें प्रेरणा देती हैं और वे हमारी सबसे अच्छी मित्र व मागदर्शक होती हैं। पुस्तक पढ़ने के विद्यार्थियों में रुचि बढ़े इस आयोजन का यही उद्देश्य है। विश्व पुस्तक दिवस के अवसर पर दिनभर विद्यार्थी ग्रंथालय आते- जाते और अध्ययन करते नजर आए।

रचनाओं के माध्यम से सुनाए अपने अनुभव और पढ़ाई के लिए संघर्ष

महफिले शायराना में विद्यार्थियों ने मंच से दी काव्य रचनाओं की प्रस्तुति

सांस्कृतिक परिषद द्वारा आयोजित महफिले शायराना कार्यक्रम विद्यार्थियों की काव्य रचना से सजा।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित विद्यार्थी।

सागर. डॉ हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में शुक्रवार को सांस्कृतिक परिषद द्वारा आयोजित महफिले शायराना कार्यक्रम विद्यार्थियों की काव्य रचना से सजा। विद्यार्थियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से मानव जीवन की अवस्थाओं और संघर्षों को जीवंत प्रस्तुत किया।

प्रति शुक्रवार को होने वाले आयोजन महफिले शायराना के प्रारंभ में साहित्यिक गतिविधियों में सक्रिय रहने वाले विद्यार्थियों ने ऐसे आयोजन के लिए विवि प्रबंधन के प्रति आभार जताया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपनी संजीदगी से भरी रचनाओं को प्रस्तुत किया जिनमें जीवन के संघर्षद्व पढ़ाई के लिए घर से दूर आकर किए जाने वाले कठिन परिश्रम को भी निरूपित किया। रचनाओं के माध्यम से, विद्यार्थियों ने अपने अनुभव भी सुनाए। सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के इस आयोजन में प्रांजल नेमा, अदिति नाहर, गरिमा अहिरवार, राघवेंद्र सिंह, आकाश श्रीवास्तव, संजू आथिया सहित अन्य विद्यार्थी सम्मिलित हुए। महफिले शायराना का संचालन रितिक नागर ने किया। कार्यक्रम में डॉ.आशुतोष, डॉ. विवेक जायसवाल तथा सांस्कृतिक परिषद के समन्वयक डॉ.राकेश सोनी उपस्थित रहे।

पुस्तकों की उपयोगिता पर वेबिनार का आयोजन किया

सागर, आचरण। यंग लाइब्रेरियन एसोसिएशन सागर चैप्टर द्वारा विश्व पुस्तक दिवस के अवसर पर वर्तमान समय मे पुस्तकों की उपयोगिता पर वेबिनार का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि डॉ संजीव सराफ ने पुस्तकों को सच्चा मित्र बताया और कहा कि विचारों के युद्ध मे पुस्तकें ही अस्त्र होती है। मुख्य वक्ता काशी हिन्दू विश्विद्यालय के उप ग्रंथालयी डॉ रामकुमार दांगी ने बताया कि किस तरीके से पुस्तकें अस्तित्व में आई और उसके पहले किस माध्यम से ज्ञान का प्रसार होता था। उदयपुर विश्विद्यालय के डॉ प्रभात सिंह राजपूत ने कहा कि रामायण, महाभारत और गीता सर्वश्रेष्ठ ग्रंथ है और इनमें जीवन का सार है। आयोजक अंकिता जाना और रोहित कुशवाहा ने अतिथियों का परिचय प्रदान किया। तकनीकी संचालन अभिनय श्रोती ने और आभार रुचि चौरसिया ने व्यक्त किया। इस अवसर पर बिहार विवि के ऋषि कुमार, इलाहाबाद विश्वविद्यालय की शालिनी कुमारी, आगरा विश्विद्यालय के डॉ कृष्ण कुमार केशरवानी, चित्रकूट विश्विद्यालय के डॉ सूर्यप्रकाश शुक्ला, सहित कई विषय विशेषज्ञों ने सहभगिता की।विश्व पुस्तक दिवस पर आयोजक मंडल को आचार्य विशुद्ध सागर महाराज द्वारा ग्रंथ प्रदान किये गए।

पृथ्वी दिवस पर सीनियर डिवीजन एनसीसी कैडेट्स ने निकाली रैली

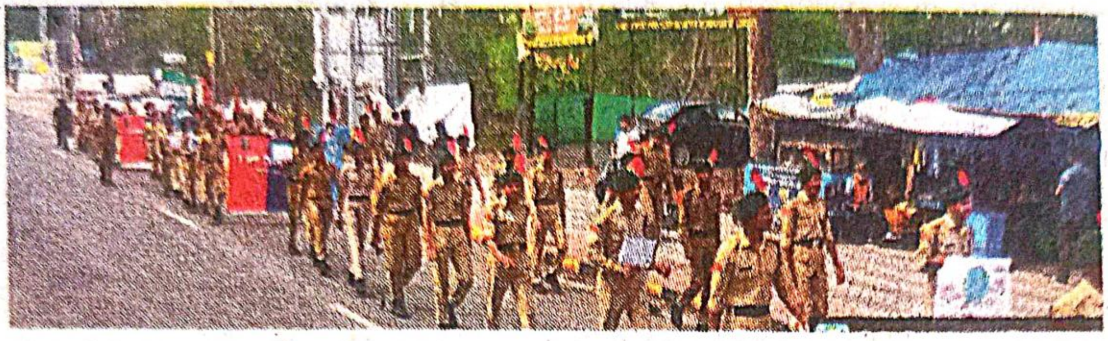

सागर। एनसीसी कैडेट्स सीनियर डिविजन ने रैली निकाली।

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की सीनियर डिवीजन एनसीसी इकाई 3 ने पृथ्वी दिवस (22 अप्रैल) पर सिंगल यूज प्लास्टिक के नुकसान के प्रति लोगों को जागरुक करने रैली निकाली। एनसीसी ईकाई के कमान अधिकारी कर्नल अरुण बेन्सला के निर्देशन में निकाली जन-जागरूकता रैली की शुरुआत पुलिस लाइन ग्राउंड से की गई। एनसीसी कैडेट्स ने रैली के दौरान कालीचरण चौराहा पर स्थित अमर शहीद कालीचरण की मूर्ति व उसके आस-पास के परिसर की सफाई की। शहीद कालीचरण की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके साथ ही एनसीसी कैडेट्स ने सिविल लाइन चौराहा पर स्थित डॉ हरीसिंह गौर की मूर्ति की सफाई कर माल्यार्पण किया। इसके बाद कैडेट्स ने विश्वविद्यालय परिसर के सोशल साइंस ब्लाक में स्थित छोटे तालाबों की सफाई कर पार्क से पॉलिथीन के पैकेट्स व अन्य कचरे को साफ किया। इस कार्यक्रम में कैडेट प्रभाष ओझा व कैडेट शिवांशु ने पृथ्वी दिवस का महत्व बताया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के एनसीसी सीनियर डिवीजन कैडेट्स शामिल हुए। आमजन को पृथ्वी को संरक्षित करने का सन्देश रैली के माध्यम से दिया।

एनसीसी इकाई द्वारा जागरुकता रैली निकाली

सागर. डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की सीनियर डिवीजन एनसीसी इकाई 3 एमपी सिग्नल कंपनी एनसीसी द्वारा कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के संरक्षण व एनसीसी ईकाई के कमान अधिकारी कर्नल अरुण बेंसला के निर्देशन में पृथ्वी दिवस पर सिंगल यूज प्लास्टिक विषय पर जन .जागरूकता रैली का आयोजन किया गया .

काव्य मंच | डा हरीसिंह गौर विश्व विद्यालय में सांस्कृतिक परिषद के तत्वावधान में किया गया आयोजन

मेहफिले शायराना में बताए बचपन से बढ़ापे तक के संघर्ष

सागर(नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में शुक्रवार को सांस्कृतिक परिषद के तत्वावधान में विद्यार्थियों ने हर शुक्रवार सांस्कृतिक आयोजन करते रहने के सिलसिले मे 21 अप्रैल को "मेहफ़िले शायराना " नाम से काव्य मंच का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मनुष्य जीवन की हर एक अवस्था बचपन से लेकर जवानी और बढ़ापे तक के संघर्ष के बारे मे छात्रों ने बयां किया। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर छात्रों ने अपनी कृतज्ञता को विश्वविद्यालय के प्रति व्यक्त किया जो उन्हें इस प्रकार के मौके समय समय पर सांस्कृतिक प्रकोष्ठ द्वारा दिए जाते हैं।

विवि के विभिन्न विभागों के छात्र-छात्राओं ने अपने जीवन संघर्षों, घर छोड़कर दूसरी जगह पढ़ने जाने पर अपने अनुभवों को व्यक्त किया। विद्यार्थियों के इस तरह के संघर्षों को कार्यक्रम में मौजूद दूसरे विद्यार्थियों ने काफी सराहा। इस मौके पर कई लोग मौजूद थे।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने मंच से अपनी प्रस्तुति दी। ● नवदुनिया

विद्यार्थियों ने दी प्रस्तुति

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने मंच से मनमोहक प्रस्तुति दी। छात्र-छात्राओं ने इस दौरान अपने दिल का हल भी बयां किया। विद्यार्थियों और संस्कृतिक प्रकोष्ठ का यह प्रयास उन्हें कालेज के बाद विभिन्न गतिविधियों में व्यस्त रख कर उनके व्यक्तिव निर्माण मे अन्यंत सहायक है। कार्यक्रम के दौरान प्रांजल नेमा, अदिति नाहर , गरिमा अहिरवार, राघवेंद्र सिंह,आकाश श्रीवास्तव, संजू आठिया सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का संचालन रितिक नगर ने किया। कार्यक्रम मे डा. आशुतोष, डा. विवेक जायसवाल व सास्कृतिक परिषद के समन्वयक डा. राकेश सोनी उपस्थित रहे।

योग शिक्षा विभाग द्वारा शहर में योग शिविरों का आयोजन

जागरण, सागर। योग शिक्षा विभाग डॉ..हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय द्वारा आगामी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व तैयारियों के तहत विभिन्न स्थानों पर दस दिवसीय योग षिविरों का आयोजन प्रारंभ कर दिया गया है। जानकारी देते हुए योग शिक्षा विभाग के अध्यक्ष प्रो.भवतोष इंद्र गुरू ने बताया कि कुलपति के निर्देशन में आगामी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को वृहद स्तर पर मनाने की तैयारियां भी प्रारंभ कर दी गई हैं। विश्वविद्यालय के बालक एवं बालिका छात्रावासों के अतिरिक्त बुंदेलखंड मेडीकल कालेज, शासकीय स्नातकोत्तर उत्कृष्ट कन्या महाविद्यालय, साईं मेमोरियल स्कूल, सिंधी धर्मशाला, पीताम्बरा मंदिर पीठ सिविल लाईन, आर्मी पब्लिक स्कूल, संजीवनी बाल आश्रम, केन्द्रीय जेल में बंदियों के लिये शिविर, वसंत विहार कालोनी में दस दिवसीय योग शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। पूरे विश्व में 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है इस संदर्भ में आयुष मंत्रालय एवं शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा अधिक से अधिक लोगों को योग से जोड़ने के उद्देश्य से विभिन्न आयोजन कराये जा रहे हैं।

आयोजन | अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के चलते शहर के कई स्थानों पर लगाए जाएंगे शिविर

योग विभाग शिविर लगाकर लोगों को कराएगा योगाभ्यास

सागर(नवदुनिया प्रतिनिधि)। आगामी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व तैयारियों के चलते डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के योग शिक्षा विभाग ने शहर में विभिन्न स्थानों पर दस दिवसीय योग शिविरों का आयोजन शुरू किया है।

शिविर में आसन, प्राणायाम, बंध, मुद्रा, शुद्धि क्रिया, ध्यान, प्रार्थना, सूर्य नमस्कार, प्रज्ञा योग, योग प्रोटोकाल सहित सूक्ष्म व्यायाम का अभ्यास कराया जाएगा। ये शिविर प्रातः 6 से 9 बजे के बीच होगा। योग शिक्षा विभाग के अध्यक्ष प्रो. भवतोष इंद्र गुरू ने बताया कि विवि की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के निर्देशन में आगामी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को वृहद स्तर पर मनाने की तैयारियां शुरू की गई हैं।

डा.हरीसिंह गौर विवि द्वारा लगाए गए शिविर में योगाभ्यास करते हुए विद्यार्थी। ● नवदुनिया

विवि के बालक एवं बालिका छात्रावासों के अतिरिक्त बुंदेलखंड मेडिकल कालेज, शासकीय स्नातकोत्तर उत्कृष्ट कन्या महाविद्यालय, साईं मेमोरियल स्कूल, सिंधी धर्मशाला,पीतांबरा मंदिर पीठ सिविल लाइन, आर्मी पब्लिक स्कूल, संजीवनी बाल आश्रम, केंद्रीय जेल में पुरुष् एवं महिला बंदियों के लिए दो शिविर, बसंत विहार कालोनी, केंद्रीय विद्यालय क्रं.4 में दस दिवसीय योग शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

प्राणायाम, ध्यान और सूर्य नमस्कार का कराएंगे अभ्यास : उल्लेखनीय है कि पूरे विश्व में 21 जून को प्रतिवर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है और इस संदर्भ में आयुष मंत्रालय एवं शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा अधिक से अधिक लोगों को योग से जोड़ने के उद्देश्य से 21 जून से 100 दिवस पूर्व विभिन्न आयोजनों की शृंखला शुरू कर दी जाती है। इसी के तहत योग शिक्षा विभाग भी विभिन्न आयोजनों की रूपरेखा बना चुका है। प्रथम चरण में सागर के विभिन्न स्थानों में दस दिन के प्रशिक्षण शिविर लगाए जा रहे हैं। ये शिविर विभागीय शिक्षकों प्रो. गणेश शंकर गिरी, डा. अरूण कुमार साव, डा. नितिन कोरपाल, डा. ब्रजेश सिंह ठाकुर एवं प्रज्ञा साव के निर्देशन में आयोजन हो रहा है। प्रो. गुरू ने बताया कि योग शिक्षा विभाग 21 जून से पूर्व 50 दिन काउनडाउन कार्यक्रम 3 मई बुधवार को विभाग में प्रातकालः मनाया जाएगा। इस विद्या से अधिक से अधिक व्यक्ति लाभान्वित हो इसलिए शिविरों में जनता भी शामिल हो सकती है।

केंद्रीय विवि लगा रहा योग शिविर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरि सिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय के योग शिक्षा विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों को लेकर शहर की अलग-अलग संस्थाओं में 10दिवसीय शिविर में योगासनों- सूर्य नमस्कार व अन्य विधाओं का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अधिक से अधिक लोगों को योग से जोडने के लिए विभिन्न आयोजन 21 जून को विश्व योग दिवस के मुख्य आयोजन तक चलेंगे। विवि के योग शिक्षा विभाग के अध्यक्ष प्रो.भवतोष इंद्र गुरु ने बताया कि कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता के मार्गदर्शन में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को व्यापक स्तर पर मनाने की रूपरेखा तैयार की गई है। इसके तहत विश्वविद्यालय के छात्रावास, बीएमसी, गर्ल्स डिग्री कॉलेज, सांई मेमोरियल स्कूल, सिंधी धर्मशाला, पीताम्बरा मंदिरपीठ सिविल लाइन, आर्मी पब्लिक स्कूल, संजीवनी बाल आश्रम, केंद्रीय जेल, बसंत विहार कॉलोनी, केंद्रीय विद्यालय-04 में योग शिविर लगाए जा रहे हैं। शिविर प्रो. गणेश शंकर गिरी, डॉ.अरुण कुमार साव, डॉ. नितिन कोरपाल, डॉ.ब्रजेश सिंह ठाकुर एवं प्रज्ञा साव द्वारा संचालित किए जा रहे हैं। सुबह 6 से 9 बजे तक चलने वाले शिविरों में आसनों के साथ- साथ प्राणायाम, बंध, मुद्रा, शुद्धि क्रिया, ध्यान, प्रार्थना, सूर्य नमस्कार, प्रज्ञा योग, योग प्रोटोकाल और सूक्ष्म व्यायाम का अभ्यास कराया जा रहा है। इसके तहत 3 मई को 50 दिन काउंट डाउन योग शिक्षा विभाग में मनाया जाएगा।

SagarUniversity DoctorGour Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya,Sagar

संकलन, चयन एवं संपादन

कार्यालय, मीडिया अधिकारी

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

Email- mediaofficer@dhsgsu.edu.in Website- www.www.dhsgsu.edu.in